>

Title: Regarding incident of beheading of Indian soldiers by terrorist.

श्री चंद्रकांत खैरे (औरंगाबाद): सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से रक्षा मंत्रालय के एक बड़े गंभीर मामले की ओर आपका ध्यान दिलाना चाहता हूं। कश्मीर के कुपवाड़ा में सीमापार से आतंकवादियों को घुसपैठ से रोकने का काम हिंदुस्तान की सेना कर रही थी। 19 राजपूत रेजिमेंट के दो जवानों, हवलदार जयपाल सिंह, अधिकारी व लाइंस नायक देवेन्द्र सिंह का पाकिस्तान के आतंकवादियों ने सर कलम करके ट्रॉफी की तरह, भयानक तरीके से पाकिस्तान में ले जाकर घुमाते रहे। इससे भी दर्दनाक घटना यह रही कि भारतीय सेना के इन जवानों का शव उनके परिजनों को न सौंपकर उनका अंतिम संस्कार भी कर दिया गया। ये सारी घटनाएं उस समय हो रही थी जब पाक विदेश मंत्री हिना रब्बानी के साथ भारतीय सरकार शांति वार्ता कर रही थी। पाकिस्तान का हाथ हमारे शहर के कई बम धमाकों में रहा है और मुम्बई शहर को इन्होंने ज्यादा निशाना बनाया है। क्या यह उचित है कि पाक के साथ बार-बार शांति वार्ता रखी जाए। अमरीका और चीन ने ऐसी घटनाएं होने पर हमेशा गंभीरता दिखाई है और पाक सरकार को ये देश सबक सिखाते रहे हैं। मेरा सरकार से निवेदन है कि पाकिस्तान के साथ शांति वार्ता पर पुनः विचार न करें और अपने देश की सेना और जनता के प्रति ज्यादा उत्तरदायी रहें और इस घटना को गंभीरता से लेकर पाकिस्तान को करारा झटका दें और उन जवानों का बदला लें।